**To Solve the Problem of ‘Sem’**

**\*96. CHAUDHARY ABHAY SINGH CHAUTALA, (Ellenabad):** Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state:-

a) the name of the areas which have been affected with the problem of ‘Sem’ in State togetherwith the districtwise details thereof; and

b) the steps taken by the Government to solve the above said problem togetherwith the district-wise details thereof?

\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_

**JAI PARKASH DALAL, AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE MINISTER, HARYANA**

Sir, “A statement is laid on the Table of the House.”

**Statement of Jai Parkash Dalal, Agriculture and Farmers Welfare Minister, Haryana referred to starred assembly question no.96 regarding “To solve the Problem of Sem”**

1. Sir, an area of about 982740 acres is affected with the twin problem of water-logging and salinity in the State, out of which an area of about 174470 acres is under critical condition (water table 0-1.5 m) as per the data provided by the Ground Water Cell in the year 2020. The problem of water-logging can be tackled through sub-surface drainage (SSD), vertical drainage (VD), bio-drainage and aquaculture depending upon the nature and extent of the problem and the affected area can be reclaimed within 3-4 years. Most affected areas fall in the districts of Rohtak, Jhajjar, Sonepat and Bhiwani followed by Hisar, Jind, Fatehabad, Sirsa, Palwal & Nuh. The ground situation fluctuates depending upon the rainfall and cropping pattern. The district-wise detail of waterlogged area in Haryana is given in **Annexure-A.**
2. Hon’ble Chief Minister resolve to reclaim water logged and saline land has already been taken up for implementation from 2021-22 onwards. A web portal ***Þlse ,oa dYyj Hkwfe lq/kkj ;kstuk\*\**** has been developed and launched by the Hon’ble Chief Minister on 27.12.2021 for seeking willingness of the farmers to reclaim their waterlogged saline soils and 4355 farmers have shown their interest to reclaim 25426 acres land on the portal till date and Detailed Project Report (DPR) is being prepared by Central Soil Salinity Research Institute (CSSRI), Karnal. The reclamation work of waterlogged & saline soils was started in the year 1996 in Haryana. Under this scheme, only 28,100 acre of the state was reclaimed in the past 24 years through Sub-Surface & Vertical Drainage technology. A target to reclaim an area of 25000 acres had been fixed during the current year, out of which an area of 20,839 acres has already been reclaimed through Sub Surface & Vertical Drainage technology and remaining work is in progress. The Department is using three Trenching Machines for reclamation through Sub-Surface Drainage Technology (SSD). Further, the Department is going to procure 5 new trenching machines to reclaim the critically affected area through SSD technology. The district-wise detail of waterlogged area reclaimed in Haryana is given in **Annexure-B.**

**Annexure-A**

**District-wise Water Logged & Saline area in the State**

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Sr.**  **No.** | **District** | **Geographical**  **Area (acre)** | **Water Logged & saline (acre)** | | **Total** | **% Area** |
| **0-1.5 (m)** | **1.5-3.0 (m)** |
|  | Rohtak | 436250 | 49810 | 218370 | 268180 | 61.47 |
|  | Jhajjar | 458500 | 35465 | 151460 | 186925 | 40.77 |
|  | Sonepat | 530500 | 20070 | 154745 | 174815 | 32.95 |
|  | Bhiwani | 853250 | 5000 | 107570 | 112570 | 13.19 |
|  | Hisar | 995750 | 2218 | 68792 | 71010 | 7.13 |
|  | Jind | 675500 | 19912 | 42717 | 62629 | 9.27 |
|  | Ch. Dadri | 341250 | 5258 | 27350 | 32608 | 9.56 |
|  | Fatehabad | 634500 | 2950 | 8540 | 11490 | 1.81 |
|  | Ambala | 393500 | 2755 | 12838 | 15593 | 3.96 |
|  | Gurugram | 314500 | 0 | 2755 | 2755 | 0.88 |
|  | Sirsa | 1069250 | 7722 | 11733 | 19455 | 1.82 |
|  | Palwal | 339750 | 1183 | 1400 | 2583 | 0.76 |
|  | Karnal | 630000 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | Panipat | 317000 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | Kaithal | 579250 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | Kurukshetra | 382500 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | Y. Nagar | 442000 | 6264 | 0 | 6264 | 1.42 |
|  | Mewat | 376750 | 15863 | 0 | 15863 | 4.21 |
|  | Rewari | 398500 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | M.Garh | 474750 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | Faridabad | 185250 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | Panchkula | 224500 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | **Total** | **11053000** | **174470** | **808270** | **982740** | **-** |
|  | **State %age** | **100** | **1.58** | **7.31** | **8.89** | **-** |

**Annexure-B**

**Area Reclaimed through Vertical & Sub-Surface Drainage Technology during 2022-23**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **Sr. No.** | **District** | **Village** | **Area (acres)** | **Technology** |
| 1. | Sirsa | Gudiakhera | 1445 | Vertical Drainage |
| Nirban | 740 | -do- |
| Nathusri Kalan & Khurd | 2625 | -do- |
| Rupana | 775 | -do- |
| 2. | Bhiwani | Gushkhani | 600 | -do- |
| 3. | Sonepat | Lath | 2800 | -do- |
| Bilbilan | 223 | Sub-Surface Drainage |
| Ahulana | 440 | -do- |
| Kathura | 630 | -do- |
| 4. | Rohtak | Chiri | 2000 | Vertical Drainage |
| Basantpur | 100 | -do- |
| Baland | 500 | -do- |
| Bakheta | 450 | -do- |
| 5. | Hisar | Ladwa | 1050 | -do- |
| Saatroad Khas | 350 | -do- |
| Saatroad Kalan | 475 | -do- |
| Datta | 300 | -do- |
| Gurana | 1125 | -do- |
| Mirzapur | 980 | -do- |
| Khokha | 508 | -do- |
| Kharkari | 675 | -do- |
| Sultanpur | 250 | -do- |
| 6. | Fatehabad | Bhimewala | 1050 | -do- |
| 7. | Jind | Bambhewa | 248 | Sub-Surface Drainage |
| 8. | Gurugram | Vidhwaka | 500 | Vertical Drainage |
|  | **TOTAL** |  | **20839** |  |

**'सेम' की समस्या का समाधान करना**

**\*96.** **श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) :**

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे किः-

(क) राज्य में उन क्षेत्रों के नाम क्या हैं जो  'सेम' की समस्या से प्रभावित है तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है; तथा

(ख) उपरोक्त समस्या का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए हैं तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है?

\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_

जय प्रकाश दलाल] कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री] हरियाणा

श्रीमान जी] सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

''सेम की समस्या का समाधान करने'' के सम्बन्ध में तारांकित प्रश्न सं0-96 के सन्दर्भ में जय प्रकाश दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा का वक्तव्य।

क)     श्रीमान जी, भू-जल कोष अनुभाग द्वारा उपलब्ध करवाए गए जून, 2020 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में लगभग 982740 एकड़ क्षेत्र जल-भराव और लवणता की दोहरी  समस्या से प्रभावित है,जिसमें से लगभग 174470 एकड़ क्षेत्र में (जल स्तर 0-1.5 मीटर) स्थिति गंभीर है। समस्या की प्रकृति तथा विस्तार अनुसार जल-भराव की समस्या से उप स्तहीय निकासी (एस0 एस0डी0) तथा ऊध्र्वाधर निकासी (वी0डी0) तथा जैविक निकासी एवं मछली पालन प्रणालियों द्वारा निपटा जा सकता है तथा प्रभावित क्षेत्र 3-4 वर्षों के भीतर सुधारा जा सकता है। इस समस्या से अधिकतर प्रभावित क्षेत्र रोहतक, झज्जर, सोनीपत तथा भिवानी जिलों के अन्तर्गत पड़ता हैं, उसके बाद जिला हिसार, जीन्द, फतेहाबाद, सिरसा, पलवल और नूंह आदि आते हैं।  वर्षा तथा फसल चक्र के अनुसार वास्तुस्थिति में उतार-चढ़ाव होता रहता है। हरियाणा में जल भराव के क्षेत्र का जिलावार विवरण अनुलंग्नक ‘‘क’’ में दिया गया है।

ख)     माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा जल-भराव और लवणीय भूमि के सुधार करने की घोषणा की गई, जिसका क्रियान्वयन वर्ष 2021-22 व आगे आने वाले वर्षों में किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा दिनांक 27-12-2021 को किसानों से उनकी जल ग्रस्त एवं लवणीय भूमि के सुधार हेतू इच्छा जानने के लिए एक वेब पोर्टल “सेम एवं कल्लर भूमि सुधार योजना’’ का शुभारंभ किया गया, जिसके अन्तर्गत अब तक 4355 किसानों ने पोर्टल पर 25426 एकड भूमि में सुधार कराने की इच्छा जाहिर की है तथा केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सी0एस0एस0आर0 आई0), करनाल द्वारा प्रभावित क्षेत्र के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी पी आर)  बनाई जा रही है। हरियाणा में जल ग्रस्त एवं लवणीय भूमि का सुधार कार्य वर्ष 1996 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत उप स्तहीय तथा ऊध्र्वाधर जल निकासी तकनीक द्वारा पिछले 24 वर्षों में केवल 28100 एकड़ क्षेत्र का सुधार किया गया। चालू वित वर्ष के दौरान 25000 एकड़ क्षेत्र के सुधार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से उप स्तहीय तथा ऊध्र्वाधर जल निकासी प्रणाली द्वारा 20839 एकड़ क्षेत्र का पहले ही सुधार किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। उप स्तहीय जल निकासी तकनीक (एस0एस0डी0) के माध्यम से भूमि सुधार कार्य करने के लिए विभाग तीन ट्रैंचिंग मशीनों का उपयोग कर रहा है। इसके अतिरिक्त गम्भीर रूप से प्रभावित क्षेत्र को उप स्तहीय जल निकासी तकनीक (एस0एस0डी0) द्वारा सुधार करने के लिए विभाग पांच नई ट्रैंचिंग मशीन खरीदने जा रहा है। राज्य में जल-ग्रस्त क्षेत्र में किए गए सुधार का जिलावार विवरण अनुलंग्नक ‘‘ख’’ में दिया गया है।

**अनुलग्नंक –क**

राज्य में जिला वार भूजल स्तर की विवरण तालिका] जून-2020

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र0स0** | **जिले का नाम** | **भौगोलिक क्षेत्र**  **(एकड़)** | **जलभराव क्षेत्र (एकड़)** | | | क्षेत्र प्रतिशत |
| **0-1.5 (मीटर)** | **1.5-3.0 (मीटर)** | **कुल** |
| 1 | रोहतक | 436250 | 49810 | 218370 | 268180 | 61.47 |
| 2 | झज्जर | 458500 | 35465 | 151460 | 186925 | 40.77 |
| 3 | सोनीपत | 530500 | 20070 | 154745 | 174815 | 32.95 |
| 4 | भिवानी | 853250 | 5000 | 107570 | 112570 | 13.19 |
| 5 | हिसार | 995750 | 2218 | 68792 | 71010 | 7.13 |
| 6 | जींद | 675500 | 19912 | 42717 | 62629 | 9.27 |
| 7 | चरखी दादरी | 341250 | 5258 | 27350 | 32608 | 9.56 |
| 8 | फतेहाबाद | 634500 | 2950 | 8540 | 11490 | 1.81 |
| 9 | अम्बाला | 393500 | 2755 | 12838 | 15593 | 3.96 |
| 10 | गुरूग्राम | 314500 | 0 | 2755 | 2755 | 0.88 |
| 11 | सिरसा | 1069250 | 7722 | 11733 | 19455 | 1.82 |
| 12 | पलवल | 339750 | 1183 | 1400 | 2583 | 0.76 |
| 13 | करनाल | 630000 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 14 | पानीपत | 317000 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 15 | कैथल | 579250 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 16 | कुरूक्षेत्र | 382500 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 17 | यमुनानगर | 442000 | 6264 | 0 | 6264 | 1.42 |
| 18 | मेवात | 376750 | 15863 | 0 | 15863 | 4.21 |
| 19 | रेवाड़ी | 398500 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 20 | महेन्द्रगढ़ | 474750 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 21 | फरीदाबाद | 185250 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
| 22 | पचंकूला | 224500 | 0 | 0 | 0 | 0.00 |
|  | कुल | **11053000** | **174470** | **808270** | **982740** | **-** |
|  | राज्य प्रतिशत | **100** | **1.58** | **7.31** | **8.89** | **-** |

**अनुलग्नंक –ख**

**वर्ष 2022-23 के दौरान उप स्तहीय तथा ऊध्र्वाधर जल निकासी प्रणाली द्वारा सुधार किए गए क्षेत्र का विवरण :-**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र0 सं0** | **जिला** | **गांव** | **क्षेत्र (एकड़)** | **अपनाई गई तकनीक** |
| 1 | सिरसा | सिरसा | 1445 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| निरबाण | 740 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| नाथूश्री कलां और खुर्द | 2625 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| रूपाना | 775 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| 2 | भिवानी | भिवानी | 600 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| 3 | सोनीपत | सोनीपत | 2800 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| बिलबिलान | 223 | उप-स्तहीय जल निकासी |
| आहूलाना | 440 | उप-स्तहीय जल निकासी |
| कथुरा | 630 | उप-स्तहीय जल निकासी |
| 4 | रोहतक | रोहतक | 2000 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| बसंतपुर | 100 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| बालंद | 500 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| बखेता | 450 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| 5 | हिसार | हिसार | 1050 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| सातरोड खास | 350 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| सातरोड कलां | 475 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| डाटा | 300 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| गुराणा | 1125 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| मिर्जापुर | 980 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| खोखा | 508 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| खरकरी | 675 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| सुल्तानपुर | 250 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| 6 | फतेहाबाद | फतेहाबाद | 1050 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
| 7 | जींद | जींद | 248 | उप-स्तहीय जल निकासी |
| 8 | गुरूग्राम | गुरुग्राम | 500 | ऊध्र्वाधर जल निकासी |
|  | **कुल** |  | **20839** | ऊध्र्वाधर जल निकासी |